Indian Streams Research Journal
Vol -1 , ISSUE –1, Feb - 2011
ISSN:- 2230-7850
Available online at www.isrj.org

ORIGINAL ARTICLE

जंगलगाथा कहानी मे चित्रित समस्या

अर्चना कांबळे

हिंदी विभाग , श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी.

सारांश :

प्रत्येक व्यक्ती समस्याग्रस्त होता है | विश्व का कोई भी व्यक्ती समस्याओं से मुक्त नही है | व्यक्ती के सामने किसी न किसी प्रकार की समस्या होती है | वह समस्याओं से छूटकारा पाने के लिए प्रयत्न करता है | मनुष्य की कुछ समस्या वैयक्तिक होती है और उसका परिणाम भी व्यक्ती तक सीमित होता है | मनुष्य के सामने अलग-अलग प्रकार की समस्याएँ है इसलिए वह क्रियाशील रहता है, अगर समस्याएँ नही होती तो वह अकार्यक्षम बन जाता है |

प्रस्तावना :

वैयक्तिक समस्याओं की तरह समाज में अनेक सामाजिक समस्याओं का अस्तित्व है | समाज में उन समस्याओं को सूलझाने का प्रयत्न किया जाता है | प्रत्येक काल में समस्याओं का स्वरूप अलग-अलग रहा है | प्राचीन काल में समस्या दिखाई देती थी | परिवर्तन के साथ-साथ समस्याओं में भी परिवर्तन होता है | प्राचीन काल में बाल-विवाह, सतीप्रथ / अस्पृश्यता , केशवपन आदि समस्याएँ थी | किंतु अब यह समस्याएँ समाज में नही है | समाज परिवर्तन के साथ परिवार विघटन, जनसंख्या, बेकारी, तलाक, भ्रष्टाचार इसके अतिरिक्त नोकरी करने वाली स्त्रियों के सामने अनेक समस्याएँ है | उनसे जूझते-जूझते स्त्री को अपना और परिवार का खयाल रखना पडता है |

नमिता सिंह जी ने अपनी कहानियों मे समस्याओं को स्पष्ट करने का प्रयास किया है | उस समय सामाजिक परिस्थिती, राजनैतिक परिस्थिति, आर्थिक परिस्थिति,पारिवारिक परिस्थिति का असर जनजीवन पर किस तरह होता होगा और सर्वसामान्य लोगों का क्या हाल हुआ ? इन सभी को नमिता सिंह जी ने अपनी कहानियों मे प्रस्तुत किया है |

नमिता सिंह जी व्दारा लिखित "जंगलगाथा" कहानी संग्रह सन १९९४ में प्रकाशित है | इसमें चित्रित पहली कहानी "जंगलगाथा" है | जिसमें जमींनदार प्रथा को दर्शाने के साथ - साथ पूँजीवादी व्यवस्था का भीषण चित्रण किया है | कहानी में नारी के प्रति होनेवाला अन्याय ओर शोषन इन समस्याओं को चित्रित करने के साथ - साथ जमींनदार और पूँजीवादी व्यवस्था में चित्रित भ्रष्टाचार तथा इसके व्दारा किया हुआ प्रमुख नायिका सुरसत्ती नामक लडकी पर किया जानेवाला अत्याचार और शोषण दिखाई देता है |

कहानी में प्रमुख नायिका सुरसत्ती है, जो जंगल से कभी नही डरती है | सुरसत्ती जंगल में स्थित टोले के मुकदम की बेटी है, टोले के लोग कहते है कि, देवता ने उसे अपना वरदान दिया है | उसे बनाने के बाद धरती पर भेजने से पहले देवतो ने उसके माथे पर हाथ फिराया तभी तो उसके कपाल के बीच में उठा हुआ सींग पीछे माँग के ऊपर आ जाता है जब सुरसत्ती का जन्म हुआ था तभी उसके सिर पर सिंग देखकर गुनिया ने कहा था व साच्छात देवी है, रच्छा करेगी गाँव की .....| १

सुरसत्ती की शादी चैतु से होनेवाली है | चैतु शहर गया है | लौट आने के बाद उसका उसके साथ विवाह होनेवाला है | इंगलिसिया कोठी के मालिक वीरभद्र बहादुरशाह जो बडे जमींनदार है, जिनका एकमात्र शौक शिकार करना है | जंगल के इलाके में इनका ही राज चलता है | जंगल साहब बहादूरशाह की जान है | वे इस जंगल के राजा है, वे इस जंगल को कैसे खत्म कर देगें, इसके बारे में परसू कहता है, "जंगल का बधेश्वर देवता तो खुद साहब बहादूर है, घने जंगल में घिरी अंग्रजी जमाने की इस विशाल कोठी में बाप दादाओं के जमाने से रहते हुए खुद साहब के भीतर एक विशाल जंगल उग आया है | ये जंगल शाश्वत हैं | जो करता रहता है और नए जंगल उगते फैलतें जाते हैं साहब बहादूर के भीतर उनकी जिंदगीयों में | वीरभद्र साहब एक विशाल जंगल समेटे हैं अपने भीतर साहब बहादूर नही निकल सकते इस जंगल से |" २

जंगल की बस्ती से अचानक एक के बाद एक लोग गायब हो रहे है | पहले बिसातू का छोटा लडका उसके बाद सरसा की बेटा फेकू, सारे जंगल के टोले के लोग परेशान है | एक दिन ठेकेदार सुरसत्ती के कपाल पर सिंग देखता है और चकित होता है | यह उसका राज वह बहादूरशाह को बताना चाहता है पर परमू उसे चूप बैठने के लिए कहता है, फिर भी वह बहादूरशाह को राज बताता है | बहादूरशाह उसकी शिकार करना चाहते है | उसे पकडकर अपने घर लाते है, उसके खाने में नशे का औषध मिलाया जाता है, वह खाना खाने के बाद बेहोश हो जाती है | सुरसत्ती बेसुध नींद में पडी थी तब बहादूर साहब उसके माथे पर लगभग ढाई इंच का जानवरों जैसा सिंग चमकते हुए देखते है | तब उसे गेंडनुमा औरत समझकर उसका शिकार करना चाहते है और उसका सिर अपने खास शिकार गाहवाले कमरे में दिवार पर लगाना चाहते है और दोस्तों को अपने शिकार के शौक और शौर्य को दिखाकर उनकी प्रशंसा चाहते है |

जब बहादूशशाह साहब बेहोश सुरसत्ती का शिकार करना चाहते थे तभी अचानक सुरसत्ती जाग जाती है और उनकी तरफ दौडती है | अपना गेंडें की तरह सिंग लेकर उनके छाती पर प्रहार करती है और उन्हें मार देती है और उनसे जंगल की रक्षा करती है |

इस प्रकार एक भयानक बहादूर साहब राक्षस व्दारा जंगल के बस्तीवाले लोगो का शोषण तथा उनपर होनेवाले अन्याय का प्रतिकार एक सुरसत्ती नामक सबला स्त्री ने दुर्गादेवी का अवतार लेकर किया |

संदर्भ :

१.“जंगलगाथा” - “जंगलगाथा” - नमिता सिंह - पृ - १८
२.“जंगलगाथा” - “जंगलगाथा” - नमिता सिंह - पृ - १२